Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Lib-18-5-25-KMV II (EVE)

Exam Code: 222802
(20)

Paper Code: 2169

Programme: Master of Arts (Hindi)
Semester-II

Course Title: Adhunik Hindi Kavya: Chhayavadottar Kaal

Course Code: MHIL-2261

Time Allowed: 3 Hours

Max Marks: 70

परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता हैं। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है।

इकाई–एक

1. उत्तर दायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालें। 14

2. प्रगतिवाद और प्रयोगवाद में क्या अन्तर है, स्पष्ट करें। 14

इकाई–दो

3. छायावोदत्तर काव्यान्दोलनल में अज्ञेम की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, उनका योगदान स्पष्ट करें। 14

4. असाध्य वीणा कविता सा प्रतिपाय स्पष्ट करें। 14

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

इकाई–तीन

5. गजानन माधव 'मुक्तिबोध' की लम्बी कविता 'अंधेरे में' की पृष्ठभूमि पर विस्तार से प्रकाश डालिए। 14

6. सिद्ध करें कि मुक्तिबोध एक सबसे बड़ा आत्माभियोगी कवि है? 14

इकाई–चार

7. सिद्ध कीजिए कि धूमिल की कविता मानव–मूल्य से ओत–प्रोत है। 14

8. घूमिल का जीवन–परिचय देते हुए, उनकी कविताओं का भाषा सौन्दर्य, शिष्य स्पष्ट करें। 14

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 222802 **Paper Code: 2170**
(20)

Programme: Master of Arts (Hindi)
Semester-II

Course Title: Pashchatya Kavyashastra

Course Code: MHIL-2262

Time Allowed: 3 Hours **Max Marks: 70**

नोटः यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में पूछे गये दो–दो प्रश्नों में से विद्यार्थी के लिए एक का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1000 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक 14 हैं।

भाग–एक

1. प्लेटो के प्रत्ययवाद का परिचय दें। 14
2. अरस्तू के त्रासदी–विवेचन की विस्तारपूर्वक चर्चा करें। 14

भाग–दो

3. लौन्जाइनस की उदात्त की अवधारणा को समझाएं। 14
4. मैथ्यू ऑर्नोल्ड के अनुसार आलोचना के महत्व को स्पष्ट करें। 14

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

भाग—तीन

5. आई.ए.रिचर्ड्स के संवेगों का संतुलन और व्यावहारिक आलोचना सिद्धांत पर प्रकाश डालें। 14
6. टी.एस.इलियट के निर्वैयक्तिकता के सिद्धांत पर प्रकाश डालें। 14

भाग—चार

7. मार्क्सवाद पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें। 14
8. अस्तित्ववाद को स्पष्ट करें। 14

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 222802
(20)

Paper Code: 2171

Programme: Master of Arts (Hindi)
Semester-II

Course Title: Media-Lekhan

Course Code: MHIL-2263

Time Allowed: 3 Hours **Max Marks: 70**

नोटः यह प्रश्न पत्र 4 भागों में विभक्त है। विद्यार्थी प्रत्येक भाग में से एक प्रश्न का उत्तर देंगे। पांचवें प्रश्न का उत्तर वे किसी भी भाग में से दे सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा और प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा।

भाग–1

1. निम्नलिखित परिभाषिक शब्दों के हिंदी रूप लिखें:–
   Absentee Statement, Agreement, Brochure, Catalogue, D novo. Ex gratia Grant, Average Due Date. 14
2. जनसंचार माध्यमों का विस्तृत परिचय दें। 14

भाग–2

3. रिपोर्ताज की परिभाषा, गुण और तत्व विस्तार सहित लिखिए। 14
4. रेडियो नाटक लेखन के तत्वों का सविस्तार परिचय दीजिए। 14

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

भाग–3

5. वृत्तचित्र बनाने के विविध चरण तथा पद्धतियों का चित्रण कीजिए। 14

6. मौखिक भाषा की प्रकृति कैसी होनी चाहिए? विस्तार से लिखें। 14

भाग–4

7. पटकथा लेखक की विशेषताएं तथा शैलियों का परिचय दें। 14

8. हिंदी साहित्य की विधाओं दृश्य श्रव्य माध्यमों में रूपांतरण कैसे होता है, स्पष्ट करें। 14

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Lib 31/5/25 K.M.V-II (SVE)

Exam Code: 222802
(20)

Paper Code: 2172

Programme: Master of Arts (Hindi)
Semester-II

Course Title: Raji Seth: Vishesh Adhyayan

Course Code: MHIL-2264

Time Allowed: 3 Hours

Max Marks: 70

नोटः यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। विद्यार्थी को कुल पाँच प्रश्न करने हैं। भाग एक, दो, तीन, चार में पूछे गये दो–दो प्रश्नों में से विद्यार्थी के लिए एक का उत्तर देना अनिवार्य है। पाँचवा प्रश्न किसी भी भाग में से किया जा सकता हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1000 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक 14 है।

भाग–एक

1. राजी सेठ के व्यक्तित्व और कृतिव का परिचय दीजिए।
2. राजी सेठ के कथा साहित्य में नारी चेतना का विवेचन कीजिए।

भाग–दो

3. तत्सम में चित्रित अन्त्द्वान्द्व को स्पष्ट करें।
4. तत्सम में चित्रित नारी समस्याओं से अवगत करवाएं।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

भाग–तीन

5. अनावृत्त कौन कहानी में स्त्री विमर्श पर विचार करें।
6. अनावृत्त कौन कहानी में अस्तित्ववादी चेतना को स्पष्ट करें।

भाग–चार

7. अंधे मोड़ से आगे कहानी में अंकित सामाजिक स्तरीकरण को स्पष्ट कीजिए।
8. अंधे मोड़ से आगे कहानी में नारी मनोविज्ञान का विवेचन करें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Lib 5/6/25 K.M.V-II (६५६)

Exam Code: 222802 **Paper Code: 2173**
(20)

Programme: Master of Arts (Hindi)
Semester-II

Course Title: Natakkar Mohan Rakesh

Course Code: MHIL-2265 (Opt-I)

Time Allowed: 3 Hours **Max Marks: 70**

इकाई एक, दो, तीन, चार में से 14–14 अंकों के कुल आठ प्रश्न दिए गए हैं जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक है। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी इकाई में से कर सकता है। प्रत्येक का उत्तर 1000 शब्दों से कम न हो।

इकाई–एक

1. हिन्दी नाटक और रंगमंच के संदर्भ में मोहन राकेश के व्यक्तित्व एवं उनके नाटकों का महत्व स्पष्ट करें। 14

2. मोहन राकेश के नाटकों की भूमिकाओं और टिप्पणियों से उनकी सम्वेदनशील रचनात्मक, मानसिक प्रतिविम्बित होती है, विवेचन करें। 14

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

इकाई–दो

3. उद्देश्य और 'रंगमंचीयत' की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की संक्षिप्त और सारगर्भित समीक्षा कीजिए। 14

4. मलिका का चरित्र भारतीय आदर्श का साकार रूप है, तर्क सम्मत चरित्रंकन कीजिए। 14

इकाई–तीन

5. 'लहरों के राजहंस' में वर्णित जीवन दर्शन एवं उद्देश्य की समीक्षा करें। 14

6. अभिनेयता की दृष्टि से 'लहरों के राजहंस' का मूल्यांकन कीजिए। 14

इकाई–चार

7. 'आधे–अधूरे' नाटक के अन्तर्गत आज की पीढ़ी के बदलते दृष्टिकोण और मानसिकता को प्रस्तुत करें। 14

8. मोहन राकेश के नाटक आधे–अधूरे में मानवीय सम्बन्धों का विश्लेषण करें। 14

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 222804
(12)

Paper Code: 4157

Programme: Master of Arts (Hindi) Semester-IV

Course Title: Madhyakaleen Hindi Kavya

Course Code: MHIL-4261

Time Allowed: 3 Hours **Max Marks: 80**

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देशः–

इकाई एक, दो, तीन, चार में से 16–16 अंकों के कुल 8 प्रश्न दिए गए हैं जिनमें से परीक्षार्थी को कुल पांच प्रश्न करने हैं। प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक है। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी इकाई में से कर सकता है। प्रत्येक का उत्तर 1000 शब्दों से कम न हो।

इकाई–एक

1. "गोस्वामी तुलसीदास कालजयी कवि है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।
2. बिहारी लाल जी का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं का वर्णन करें।

इकाई–दो

3. "तुलसीदास की विनय–पत्रिका में दैन्य की पराकाष्ठा है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।
4. तुलसीदास के काव्य में व्यंजित समन्वय भावना पर प्रकाश डालिए।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

इकाई–तीन

5. भाव पक्ष और कला पक्ष की दृष्टि से मीरा के काव्य की समीक्षा कीजिए।
6. मीरा के दर्शन की विवेचना कीजिए।

इकाई–चार

7. बिहारी सतसई के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालें।
8. बिहारी सतसई की वर्तमान काल में प्रासंगिकता विषय पर अपने विचार प्रकट करें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 222804 Paper Code: 4158

Programme: Master of Arts (Hindi) Semester-IV

Course Title: Adhunik Gadya Sahitya

Course Code: MHIL-4262

Time: 3 Hours Max. Marks: 80

नोटः यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमशः इकाई एक,दो,तीन,चार में से 16 - 16 अंकों के आठ प्रश्न पूछे गए हैं जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक एक प्रश्न करना होगा। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है।

भाग एक

प्रश्न 1 निबंध विधा का स्वरूप और वैशिष्ट्य लिखें।

प्रश्न 2 नाटक विधा का उद्भव और विकास लिखें।

भाग दो

प्रश्न 3 कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता में उपेक्षित पात्र का चित्रण के लिए लेखक को आवश्यकता क्यों पड़ी?

प्रश्न 4 मेरे राम का मुकुट भीग रहा है का प्रतिपाद्य लिखें।

भाग तीन

प्रश्न 5 "आधे अधूरे मध्यवर्गीय जीवन की त्रासदी है।" सोदाहरण स्पष्ट करें।

प्रश्न 6 मोहन राकेश की नाट्य भाषा का विस्तृत परिचय दें।

भाग चार

प्रश्न 7 "आवारा मसीहा जीवनी विधा का गौरव ग्रंथ है।" सपष्ट करें

प्रश्न 8 आवारा मसीहा के आधार पर शरतचंद्र का चरित्र चित्रण करें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 222804
(12)

Paper Code: 4159

Programme: Master of Arts (Hindi) Semester-IV

Course Title: Shodh Pravidhi

Course Code: MHIL-4263

Time Allowed: 3 Hours **Max Marks: 80**

नोट– निम्न प्रश्न पत्र में से कुल पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न का उत्तर अनिवार्य है। पांचवा प्रश्न किसी भी भाग में से किया जा सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।

इकाई–एक

1. हिंदी शोध की समस्याओं और समाधान का उल्लेख कीजिए।
2. शोध की परिभाषा, स्वरूप और हिंदी में शोध कार्य की परम्परा पर प्रकाश डालिए।

इकाई–दो

3. शोध सामग्री संकलन के प्राथमिक और द्वितीयक स्त्रोत की चर्चा करें।
4. साहित्यिक शोध की विभिन्न कोटियों पर नोट लिखें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

इकाई—तीन

5. शोध कितनी प्रकार के होते हैं। शोघ और समीक्षा में क्या सम्बन्ध है? सपष्ट करें।
6. शोध समस्या और शोध परिकल्पना पर विचार लेखन कीजिए।

इकाई—चार

7. गोध में शीर्षकीकरण, संदर्भिका तथा अनुकमणिका के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
8. शोध में पाद टिप्पण के महत्व और विभिन्न प्रकार की सामग्री को प्रस्तुत करने के उदाहरण भी लिखें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 222804 **Paper Code: 4160**

Programme: Master of Arts (Hindi) Semester-IV

Course Title: Rajbhasha Prashikshan

Course Code: MHIL-4264

Time: 3 Hours **Max. Marks: 80**

__नोट:__ यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमशः इकाई एक,दो,तीन,चार में से 16 - 16 अंकों के आठ प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक एक प्रश्न करना होगा। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा।

__भाग – एक__

प्रश्न 1 भारत की बहुभाषिकता एवम संपर्क भाषा आवश्यकता पर विस्तारपूर्वक निबंध लिखें।

प्रश्न 2 राजभाषा (कार्यालय हिंदी) की प्रकृति क्या है? विस्तार से लिखें।

__भाग – दो__

प्रश्न 3 अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की क्या स्थिति है?तर्कसंगत व्याख्या करें।

प्रश्न 4 हिंदी के प्रचार प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की क्या भूमिका रही है?

__भाग – तीन__

प्रश्न 5 आलेखन की परिभाषा और स्वरूप के विषय में बताते हुए एक अच्छे आलेखन की विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न 6 संक्षेपण का अभिप्राय, परिभाषा और महत्व बताते हुए उसके विविध रूप लिखें।

__भाग – चार__

प्रश्न 7 भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का क्या महत्व है, सविस्तार लिखें।

प्रश्न 8 बैंकिंग, बीमा और अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिंदी अनुप्रयोग की क्या स्थिति है? स्पष्ट करें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 222804 **Paper Code: 4161**

Programme: Master of Arts (Hindi) Semester-IV

Course Title: Utter Kavyadhara ke Sandarbh mein Guru Teg Bahadur Ji ki Vani ka Vishesh Adhyayan

Course Code: MHIL-4265 (Opt. – I)

Time: 3 Hours **Max. Marks: 80**

नोटः यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमशः इकाई एक,दो,तीन,चार में से 16 - 16 अंकों के आठ प्रश्न पूछे गए हैं जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक एक प्रश्न करना होगा। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1000 शब्दों में होना चाहिए।

भाग एक

प्रश्न 1 गुरु तेग बहादुर जी के व्यक्तित्व और कृतित्व का विस्तृत परिचय दीजिए।
प्रश्न 2 गुरु काव्य की परंपरा और विकास का विस्तार से परिचय दीजिए।

भाग दो

प्रश्न 3 गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में गुरमत दर्शन का संकल्प क्या है? स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 4 गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की मूल संवेदना को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

भाग तीन

प्रश्न 5 गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में भारतीय संस्कृति के दर्शन होते हैं। सिद्ध कीजिए।
प्रश्न 6 गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में पौराणिक संदर्भ उजागर हुए हैं,उदाहरण देकर सिद्ध कीजिए।

भाग चार

प्रश्न 7 गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का परवर्ती पंजाब के हिंदी साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा? सोदाहरण विवेचन कीजिए।
प्रश्न 8 गुरु तेग बहादुर जी वाणी की राग योजना पर प्रकाश डालें।